

वैकुंठभाई मेहता संस्था सहकारिता यूनिवर्सिटी बनेगी : विद्याधर अनास्कर

पुणे, 4 फरवरी (आ.प्र.)

वैकुंठभाई मेहता राष्ट्रीय प्रबंधन सहकारी संस्था का रूपांतरण सहकारिता यूनिवर्सिटी में होगा जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 1100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, यह जानकारी राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष विद्याधर अनास्कर ने दी.

डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के बृहन्महाराष्ट्र चेंबर ऑफ कॉमर्स (बीएमसीसी) और बीएमसीसी पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित 'बजट पर चर्चा' कार्यक्रम में अनास्कर बोल रहे थे. एडवोकेट गोविंद पटवर्धन, चार्टर्ड एकाउंटेंट भारत फाटक और ग्राहक पेठ के सूर्यकांत पाठक ने चर्चा में भाग लिया. अनास्कर ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के लिए 900 करोड़ आवंटित किए गए हैं. आयकर में कटौती, सरचार्ज में कटौती, सहकारिता के लिए विभिन्न योजनाएं, जिलों में 75 डिजिटल बैंक, सूक्ष्म व लघु उद्यमों के लिए दो लाख करोड़ की फंडिंग जैसे प्रावधानों से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी.

गोविंद पटवर्धन ने कहा कि जीएसटी को पिछली तारीख से लागू करना उचित नहीं है. जीएसटी एक वैल्यू एडेड टैक्स है. इनपुट पूरी तरह से काटा नहीं जाता. जुमाने



■ BMCC के 'बजट पर चर्चा' कार्यक्रम में राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष ने दी जानकारी

की रकम और विलंब शुल्क से इन्कम में वृद्धि होती है. इसे टैक्स के जरिए बढ़ाया जाना चाहिए. इसके लिए आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए. सूर्यकांत पाठक ने कहा कि सड़कों और रेलवे के कारण यात्रा को गति मिलेगी. इससे आम आदमी को फायदा होगा. जीएसटी में जरूरी बदलाव किए जाएं ताकि आम नागरिकों को सस्ते में सामान मिल सके. इसके लिए जनप्रतिनिधियों और व्यापारी संगठनों को आवाज उठानी चाहिए.

प्राचार्या डॉ. सीमा पुरोहित ने स्वागत भाषण दिया. पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष अरुण निम्हण ने प्रास्ताविक भाषण दिया सचिव सुहास पटवर्धन और कोषाध्यक्ष सुहास धारणे ने कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया. सीमा तोडकर ने आभार प्रकट किए.